Need to reduce the use of chemical fertilizers and pesticides in agricultural production and take steps to prevent its harmful impact.-laid

डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट): आज खेतों में अधिक उत्पादन के लिए किसानों द्वारा भारी मात्रा में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का उपयोग किया जा रहा है। इन रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के उपयोग के कारण उत्पन्न विकिरण, वायु प्रदूषण से सैकड़ों कीट समाप्त होते जा रहे हैं इन्हीं पेस्टिसाइड कीटनाशकों का उपयोग का परिणाम है कि मधुमक्खी, लाख के कीट आदि धीरे-धीरे समाप्ति की ओर हैं। अब वृक्षों में लाख के कीट नहीं जम रहे हैं जिस कारण लाख के उत्पादन में भारी कमी आई है। जिसके कारण लाख उत्पादक किसानों को भारी क्षति का सामना करना पड़ रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सिवनी जिले के बरघाट तहसील में लाख का बहुत अधिक उत्पादन होता था किंतु लाख के कीड़ों के नहीं जमने के कारण लाख उत्पादन में भारी गिरावट आई है जिस कारण लाख उत्पादक किसान आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही मधुमक्खियों की कमी के कारण शहद उत्पादन भी घटते जा रहा है।

मैं आग्रह करना चाहता हूं कि सरकार को रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के अधिक उपयोग से बचने के लिए नीति बनाने एवं इनके उपयोग से होने वाले विकिरण को रोकने के लिए उचित कदम उठाना चाहिए जिससे विकिरण को रोका जा सके।